या कुंदेंदु तुषारहार धवला, या शुभ्र वस्त्रावृता |

या वीणावर दण्डमंडितकरा, या श्वेतपद्मासना ||

या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता |

सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेष जाड्यापहा ||

Yaa Kundendu tushaara haara-dhavalaa, Yaa shubhra-vastra'avritaa

Yaa veena-vara-danda-manditakara, Yaa shweta padma'asana

Yaa brahma'achyuta shankara prabhritibhir Devai-sadaa Vanditaa

Saa Maam Paatu Saraswati Bhagavatee Nihshesha jaadya'apahaa.

हिंदी अनुवाद:

जो कुंद फूल, चंद्रमा और वर्फ के हार के समान श्वेत हैं, जो शुभ्र वस्त्र धारण करती हैं| जिनके हाथ, श्रेष्ठ वीणा से सुशोभित हैं, जो श्वेत कमल पर आसन ग्रहण करती हैं|| ब्रह्मा, विष्णु और महेश आदिदेव, जिनकी सदैव स्तुति करते हैं| हे माँ भगवती सरस्वती, आप मेरी सारी (मानसिक) जड़ता को हरें||

English:

She, who is as fair as the Kunda flower, white as the moon, and a garland of Tushar flowers;and who is covered in white clothes.

She, whose hands are adorned by the excellent veena, and whose seat is the pure white lotus;

She, who is praised by Brahma, Vishnu, and Mahesh; and prayed to by the Devas. O Mother Goddess, remove my mental inertia!